कवि अरुण कमल को मिलेगा 'निराला स्मृति सम्मान'

चर्चा में क्यों?

19 सितंबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष का 'निराला स्मृति सम्मान' समकालीन कविता के कवि अरुण कमल को दिये जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बिंदु

- कवि अरुण कमल को यह सम्मान छायावादी महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की पुण्यतिथि पर 15 अक्तूबर को निराला स्मृति आयोजन के दौरान दिया जाएगा।
- यह सम्मान महाकवि निराला की चेतना, विचारधारा और उनकी रचनात्मक परंपरा से जुड़ने वाले रचनाकार को दिया जाता है।
- निराला के निमित्त संस्था के अध्यक्ष व महाकवि निराला के प्रपौत्र विवेक निराला ने बताया कि इससे पूर्व यह सम्मान कवि राजेश जोशी और कथाकार चित्रा मुद्गल को प्रदान किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (21 फरवरी, 1896 -15 अक्तूबर, 1961) हिन्दी कविता के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने कई कहानियाँ, उपन्यास और निबंध भी लिखे हैं किंतु उनकी ख्याति विशेषरुप से कविता के कारण ही है।
- 1920 ई के आसपास उन्होंने अपना लेखन कार्य शुरू किया था। उनकी पहली रचना जन्म भूमि पर लिखा गया एक गीत था। 1916 ई. में उनके द्वारा लिखी गई 'जूही की कली' 1922 ई. में प्रकाशित हुई थी, जो बहुत ही लंबे समय तक का प्रसिद्ध रही।
- उनके कुछ प्रमुख काव्य संग्रह जैसे अनामिका (1923), परिमल (1930), तुलसीदास (1939), कुकुरमुत्ता (1942), गीत कुंज (1954) इत्यादि हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/poet-arun-kamal-will-receive-nirala-smriti-samman-